न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED
(A Government of India Enterprise)

विक्रम साराभाई भवन , Vikram Sara Bhai Bhavan,
मध्य मार्ग, Central Avenue Road,
अणुशक्ति नगर, Anushaktinagar,
मुंबई - 400094, Mumbai - 400094,
फोन (कार्यालय) /Phone off. 022-25991215
फैक्स /Fax. 022-25991218
ई-मेल/E-mail. aknema@npcil.co.in

ए के नेमा
सह निदेशक (सीपी एंड सीसी) &
अपीलीय प्राधिकारी
A.K Nema
AD (CP&CC) &
Appellate Authority

01 जनवरी, 2019

प्रेस विज्ञप्ति

केजीएस-1 इकाई ने निरंतर प्रचालन का नया कीर्तिमान स्थापित किया

स्वदेशी रूप से अभिकल्पित, विकसित व प्रचालित कैगा विद्युत उत्पादन केंद्र की इकाई-1 (केजीएस-1-220 मेगावाट) ने गत 13 मई, 2016 से निरंतर प्रचालनरत रहते हुए यूनाइटेड किंगडम के हेइशैम 2 की इकाई-8 के 940 दिनों तक के निरंतर प्रचालन के कीर्तिमान को गत 10 दिसंबर, 2018 को पार करते हुए एक नया विश्व-कीर्तिमान स्थापित किया। इस इकाई ने गत 31-12-2018 तक कुल 962 दिनों के निरंतर प्रचालन का नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। अपने 962 दिनों के निरंतर प्रचालन के दौरान इस इकाई ने 99.3% संयंत्र भार घटक पर लगभग 5 बिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया। निरीक्षण एवं अनुरक्षण कार्यकलापों के लिए इस इकाई को कल लगभग 2300 बजे शटडाउन किया गया। विभिन्न अनुरक्षण कार्यों, निरीक्षण को पूर्ण करने एवं विनियामकीय अनुमति प्राप्त होने के उपरांत इस इकाई को पुन: चालू किया जाएगा।

कैगा परमाणु विद्युत स्थल कर्नाटक राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले में स्थित है और यहां पर, स्वदेश-विकसित 220 मेगावाट प्रत्येक विद्युत क्षमता वाली चार इकाइयां (केजीएस 1 से 4- 4X220 मेगावाट)स्थापित हैं जो घरेलू ईंधन का उपभोग करती हैं। वर्तमान में केजीएस-2, 3 व 4 इकाइयां प्रचालनरत हैं जिनमें से केजीएस-2 ने अभी तक 661 दिनों का निरंतर प्रचालन पूर्ण कर लिया है।

भारतीय न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टरों ने अभी तक कुल 28 बार, 365 दिनों से अधिक अवधि तक का निरंतर प्रचालन किया है। तीन रिएक्टरों- केजीएस-1(962 दिन), आरएपीएस-3 (777 दिन)तथा आरएपीएस-5(765 दिन) ने दो वर्षों से भी अधिक अवधि तक निरंतर प्रचालन पूर्ण किया है।

962 दिनों के रिकॉर्ड निर्बाध प्रचालन ने दाबित भारी पानी रिएक्टरों के डिजाइन, निर्माण व प्रचालन के क्षेत्र में एनपीसीआईएल की अद्वितीय क्षमताओं को एक बार पुन: सिद्ध कर दिया है। व्यापक अनुभव एवं विशेषज्ञता तथा इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उद्यमों व निजी क्षेत्र के उद्योगों की सामंजस्यपूर्ण भागीदारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और देश की न्यूक्लियर विद्युत क्षमताओं का संवर्धन करने में अब इसके अत्यंत लाभकारी परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।

वर्षों तक निरंतर प्रचालन के दौरान रिएक्टर को ट्रिप होने से बचाने में स्थिर इलेक्ट्रिक ग्रिड उपलब्ध कराने के कार्य में कर्नाटक पॉवर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पॉवर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड व सदर्न रीजनल लोड डिस्पैच केंद्र की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही है जिसके कारण इस कीर्तिमान को प्राप्त किया जा सका है।

वर्ष 2018 ने, ग्लोबल वार्मिंग की ओर एक बार फिर संपूर्ण विश्व का ध्यान आकर्षित किया है और अब इस बात को मान्यता दी जा चुकी है कि स्वच्छ, हरित, सुरक्षित एवं विश्वसनीय ऊर्जा के स्रोत के रूप में मौसम परिवर्तन के प्रभावों को न्यूनतम कर सकने में न्यूक्लियर विद्युत की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्ष 2019 के शुभारंभ के साथ ही यह महत्वपूर्ण समाचार, स्वच्छ, हरित, सुरक्षित एवं विश्वसनीय ऊर्जा के रूप में न्यूक्लियर विद्युत उपलब्ध कराने के प्रति परमाणु ऊर्जा विभाग की प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करता है।

हस्ता.
(ए. के. नेमा)